

पाठ्यक्रम: HIN-525

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी संस्मरण साहित्य

श्रेयांक: 02(30)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-2023

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वपिछित	संस्मरणविधा की संक्षिप्त जानकारी अपेक्षित है।	घंटे
उद्देश्य	- विद्यार्थियों को संस्मरणविधा की जानकारी कराना। - विद्यार्थियों को संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	संस्मरण साहित्य: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास	08
	- निर्धारित संस्मरण 1) हरकिशन सिंह सुरजीत: संगठित किसान आंदोलन के प्रणेता स्वामी सहजानंद सरस्वती 2) फणीश्वरनाथ रेणु: अपने-अपने त्रिलोचन 3) मंटो: इस्मत चुगताई और मैं 4) कांतिकुमार जैन: बैकुंठपुर में बचपन 5) विजयमोहन सिंह: एक दरवेश की दास्तान (भीष्म साहनी) 6) सिद्धार्थ सिंह: नामवर सिंह और नामवर बाबूजी 7) अनीता राकेश: चंद सतरें	22
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद-संवाद, संगोष्ठी, परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण, वृत्तचित्र।	
संदर्भ ग्रंथ सूची	- कुमार, सुवास(सं०). फणीश्वरनाथ रेणु संचयिता. मेधा बुक्स, शाहदरा दिल्ली, 2003. - डॉ० हरिमोहन. साहित्यिक विधाएँ: पुनर्विचार. वाणी प्रकाशन, दिल्ली 1997. - धूमकेतु, जयप्रकाश. राहुल सांकृत्यायन : स्वप्न और संघर्ष(सं०). प्रभाष प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008. - वर्मा, डॉ० धीरेंद्र. (प्रधान संपादक), वर्मा, ब्रजेश्वर. भारती, धर्मवीर. चतुर्वेदी, रामस्वरूप (संयोजक) हिंदी साहित्य कोश भाग-1(पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1985. - व्यास, ज्योति. आधुनिक हिंदी साहित्य में आत्मकथा और संस्मरण विधा. अमन प्रकाशन कानपुर, उत्तर प्रदेश, 2015. - शर्मा, डॉ० मनोरमा. संस्मरण और संस्मरणकार. आराधना ब्रदर्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश, 1988.	
अधिगम परिणाम	- विद्यार्थी संस्मरणविधा से परिचित होंगे। - विद्यार्थी संस्मरणों के माध्यम से तत्कालीन समाज, राजनीति की समस्याओं से परिचित होंगे।	